

न्यूज ब्रीफ

आज सात घंटे बंद रहेगी
रायपुर गढ़ी व नवर्व
फीडर की बिजली
नवालांग, उन्नाव | अजगैन विद्युत
उपर्युक्त अधिकारी रुद्र प्रताप ने बताया कि
उपर्युक्त के दो फीडर रायपुर खड़ी व नवर्व
की लाइनों पर पुरुष वाहनों को मरमतीकरण
कर्त्तव्यातिरिक्त है। जिसके बलते रायपुर
गढ़ी व नवर्व फीडर की सुहृ 10 से शाम
5 बजे तक आपूर्ति बाधित रही। उन्होंने
उपर्युक्तों से आकस्मिक कार्य के लिए
व्यवस्था करने की अपील की है।

आज फीडर-1 की
सप्लाई रहेगी बंद

शुक्रालांगन | विद्युत वितरण खंड-द्वितीय
के पर्साईरेन ने बताया कि अधिकारी पुरुष
में होने वाले कार्य के कारण गुरुवार खुल्ह
10 से दोपहर 3 बजे तक फीडर-1 की
सप्लाई 5 घंटे बंद रहेगी। इससे जुड़े
कई मोहल्लों में आपूर्ति बाधित रही।
इसी प्रकार गांधी नगर में एवंसी के बेल
डालने के बलते गांधी नगर, राजमार्ग व
आसपास के क्षेत्रों में सुहृ 10 से शाम 5
बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बंद रही।
दिनभर की इसी सी फोडर-1 के
द्वारा गांधी नगरी को बंद रहे थे।
तक बिजली न होने से असुविधा होगी।
विभाग ने लोगों से सहयोग और साधारण
वरतन की अपील की है।

स्टेट बैंक के पीछे खड़ी
कार चोरी

शुक्रालांगन | गंगाधार कोतवाली क्षेत्र के
एवंसी नगर निवासी गांधी नारायण मिश्र
ने रोज़ की तार हात आपनी कार अधिकारी पुरुष
रिष्ट रस्ट बैंक के पीछे गेट हाउस
के पीछे वाले रासे पर खड़ी की थी।
सुबह जह वह गेट हाउस पहुंचे तो कार
वहां नहीं मिली। इसी बाद उन्होंने
आसपास खोजनी की ओर गेट हाउस
से लगे सीसीटीवी के मरों की
फुटेज खागली। फुटेज में चोर कर ले
जाते हुए दिखे लोकन बोरों की शक्ति
साफ नहीं दिखी। पुलिस ने उनकी तरीका
पर मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू
कर दी है। पुलिस टीम आसपास के मरों
की फुटेज भी खागल रही है।

लापता युवक का कुएं में
पड़ा मिला शव

उन्नाव | बिहार थानाक्षेत्र के पनहर गांव
निवासी अमित (28) पुरुष राधेश्याम
13 नवंबर की रात से लापता था। उन्होंने
कृष्णा ने बताया कि उसकी तलाश की जा
रही थी। लोकेन इसके लापता होने की
सूचना परिजनों ने पुलिस के मरों ने दोषी
बुधवार सुबह गांव से 300 मीटर आगे
विनोद कुशवाहा के खेत के पास कुएं से
तेज दुष्कृती आने पर ग्रामीणों ने देखा तो
पानी में शव पड़ा दिखा। ग्राम प्रधान पति
राज कृष्णा हात पर बताया कि अमित खेती
करता था। वह शराब ली थी। अनुमान है कि
उसकी शारीरी नहीं पुरी गयी है और पानी
में डूबने से मौत हो गई है। एसओ राहुल
सिंह ने बताया कि डूबने से मौत होने की
पूर्ण हुई है।

युवती को बहलाकर ले
जाने की रिपोर्ट दर्ज

सफीपुर | कोतवाली क्षेत्र के एक गांव
निवासी योहनी ने पुलिस को दी तरीके
में बताया कि मगलवार सुबह उनकी 29
वर्षीय बेटी रुक्ल पद्मन जाने की बात कह
घर से निकली थी। पता चला है कि सदर
कोतवाली क्षेत्र के पूर्व नगर मोहल्ला
का शुक्राल शुक्राल 3 से बहला कुशवाहा
ले गया है। उन्होंनी की आशाका से
वह ग्रसित है। एसओ एसपी विजया ने
बताया कि केस दर्ज कर युवती की तलाश
की जा रही है।

लेखपाल पर फसल
बर्बाद करने का आरोप

बांगरमऊ | कोतवाली क्षेत्र के गांव राई
पुरा निवासी बर्वीरी ने पुलिस को दी
तरीके में कहा कि बाबू 17 नवंबर की
दोपहर 4 बजे आने खेत में काम कर रहा
था। तभी पड़ोसी गांव कुंची निवासी
लेखपाल दो फीडर लेकर आ पहुंचा
और खेत की फसल से ट्रक्टर को
निकाल दिया। जिससे खेत में खड़ी गेहूं
की फसल बर्बाद हो गई। विरोध करने
पर लेखपाल उसे लात-झूस से पीट दिया।
बीच-बचाव करने पर पहुंची भाई रीमा से
भी मारपीट कर उसे जान से मारने की
धमकी दी। पुलिस ने तहरीक के आधार
पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गैस एजेंसी में चोरों
बोला धावा

नवालांग | अजगैन कोतवाली क्षेत्र के
कर्सा नवालांग में भईया जी गैस एजेंसी
में मगलवार रात चोरों ने ताला तोड़कर
जरूरी कागजत व 10 रेग्युलेटर व चांदी
का सिक्का ले गये। जिसकी सूचना
पुलिस को पीड़ित नहीं है। भईया जी
गैस एजेंसी के मालिक सुधर शुला ने
कोतवाली में दिया धर्मान्वयन में बताया
कि जेब बुधवार सुबह एंजेसी पहुंचे तो
देखा कि दुकान का ताला टूटा पड़ा है और
सामान बिखरा है। जिसकी सूचना
एक चांदी की सिक्का व जरूरी कागजत
चोरों द्वारा ले गयी थी। कोतवाली
से बताया गया है कि जांच करने की
जिम्मेदारी नहीं है।

जिले के 2 लाख 11 हजार किसानों
के खातों में भेजी गई सम्मान निधि

किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त, डीएम ने लाभार्थियों को सौंपी ट्रैक्टर की चाबी

संवाददाता, उन्नाव



अमृत विचार जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति में कृषि भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त की वितरण के हस्तांतरण संबंधी जानकारी दी गई और जिले के 2 लाख 11 हजार किसानों को अँग्नलाइन धनराशि हस्तांतरण की जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने कृषि भवन परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा कृषकों के हितार्थ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बाबत गांधी नगर, राजमार्ग व आसपास के क्षेत्रों में सुहृ 10 से शाम 5 बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बंद रही।

जिलाधिकारी ने बताया कि अप्रैल के बाद डॉक्टर-1 के

शुक्रालांगन | विद्युत वितरण खंड-द्वितीय

के पर्साईरेन ने बताया कि अधिकारी पुरुष

में होने वाले कार्य के कारण गुरुवार खुल्ह

10 से दोपहर 3 बजे तक फीडर-1 की

सलाई 5 घंटे बंद रही।

इससे जुड़े

कई मोहल्लों में आपूर्ति बाधित रही।

इसी प्रकार गांधी नगर में एवंसी के बेल

डालने के बलते गांधी नगर, राजमार्ग व

आसपास के क्षेत्रों में सुहृ 10 से शाम 5

बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बंद रही।

जिलाधिकारी ने बताया कि अप्रैल के

शुक्रालांगन | विद्युत वितरण खंड-द्वितीय

के पर्साईरेन ने बताया कि अधिकारी पुरुष

में होने वाले कार्य के कारण गुरुवार खुल्ह

10 से दोपहर 3 बजे तक फीडर-1 की

सलाई 5 घंटे बंद रही।

इससे जुड़े

कई मोहल्लों में आपूर्ति बाधित रही।

इसी प्रकार गांधी नगर में एवंसी के बेल

डालने के बलते गांधी नगर, राजमार्ग व

आसपास के क्षेत्रों में सुहृ 10 से शाम 5

बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बंद रही।

जिलाधिकारी ने बताया कि अप्रैल के

शुक्रालांगन | विद्युत वितरण खंड-द्वितीय

के पर्साईरेन ने बताया कि अधिकारी पुरुष

में होने वाले कार्य के कारण गुरुवार खुल्ह

10 से दोपहर 3 बजे तक फीडर-1 की

सलाई 5 घंटे बंद रही।

इससे जुड़े

कई मोहल्लों में आपूर्ति बाधित रही।

इसी प्रकार गांधी नगर में एवंसी के बेल

डालने के बलते गांधी नगर, राजमार्ग व

आसपास के क्षेत्रों में सुहृ 10 से शाम 5

बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बंद रही।

जिलाधिकारी ने बताया कि अप्रैल के

शुक्रालांगन | विद्युत वितरण खंड-द्वितीय

के पर्साईरेन ने बताया कि अधिकारी पुरुष

में होने वाले कार्य के कारण गुरुवार खुल्ह

10 से दोपहर 3 बजे तक फीडर-1 की

सलाई 5 घंटे बंद रही।

इससे जुड़े

कई मोहल्लों में आपूर्ति बाधित रही।

विकसित भारत

विकसित अन्नदाता



उत्तर प्रदेश आज कृषि, दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राज्य की कृषि विकास दर 2016-17 के 8.6% से बढ़कर 2024-25 में 17.7% तक पहुँच गई है, जिससे किसानों की आय और समृद्धि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता दी गई है। महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से फूलों की खेती और सीड़लिंग उत्पादन को बढ़ावा मिला है। राज्य में चीनी मिलों, डेयरी इकाइयों, फिशरीज और "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" जैसी योजनाओं से रोजगार और उत्पादन में तेजी आई है। साथ ही, गोवंश संरक्षण, जैविक खेती, मत्स्य पालन और औद्योगिक फसलों के प्रोत्साहन से उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर कृषि राज्य के रूप में उभर रहा है।

अन्नदाता का उत्थान

कृषि विकास दर वर्ष 2016-17 में 8.6% से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 17.7% हो गयी है

प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन करते हुए देश में प्रथम स्थान पर है उत्तर प्रदेश

पी.एम. किसान सम्मान निधि के माध्यम से 2.86 करोड़ से अधिक किसानों को ₹80,000 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तान्तरित

पी.एम. कुसुम योजना से किसानों को 93062 से अधिक सौलर पम्पों का आवंटन



2017-18 से अब तक 31 से अधिक सिंचाई परियोजनायें पूर्ण की गयीं जिससे 22 लाख 75 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचन क्षमता सृजित हुई, जिसका लाभ 46 लाख 69 हजार कृषकों को प्राप्त हुआ

विभिन्न जनपदों में 6,600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण तथा डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण का कार्य है प्रगति पर

राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण से लगभग 1.33 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता की बढ़ोत्तरी होगी तथा लगभग 1.10 लाख कृषक परिवार होंगे लाभान्वित

कृषकों के हित के लिए एंड्रायड मोबाइल एप यू.पी. मण्डी भाव का शुभारम्भ किया गया है

कृषि बाजारों के बाजार भाव एवं मौसम की जानकारी एप के माध्यम से प्रतिदिन निशुल्क करायी जा रही उपलब्ध

फार्मर रजिस्ट्रेशन करते हुए अब तक कुल 1.45 करोड़ फार्मर कार्ड आईडी की गई है निर्गत

महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सीड़लिंग का उत्पादन किया जा रहा है

60 हजार महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का माध्यम बना सीड़लिंग उत्पादन

लखनऊ में ₹251 करोड़ की लागत से भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर एक सीड पार्क की स्थापना का किया गया है निर्णय

मार्च, 2017 से अब तक 03 नई चीनी मिलों की हुई स्थापना, 06 चीनी मिलों का पुर्णसंचालन तथा 38 चीनी मिलों की क्षमता का हुआ है विस्तार

1.25 लाख लोगों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करने का माध्यम बना चीनी मिलों का संचालन

प्रदेश में वर्ष 2017 तक एथेनॉल का कुल उत्पादन 42 करोड़ लीटर था, जो सत्र 2024-25 में बढ़कर 177 करोड़ हो गया है। देश में प्रथम स्थान पर है उत्तर प्रदेश

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प पूर्ण। 14 लाख से अधिक किसान लाभान्वित



मण्डल मुख्यालयों पर जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के आउटलेट स्थापित

प्रदेश में 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गयी है। प्रदेश में कुल 89 कृषि विज्ञान केन्द्र हैं संचालित

मिर्जापुर में ड्रैगन फ्रूट्स एवं डेट पॉम (खजूर), जालौन में ड्राई लैण्ड हार्टिकल्चर, बरुआसागर झाँसी में सिट्रस के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की हो रही स्थापना

सोनभद्र में कैट्टस के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना को लेकर जारी है कार्य

निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए 7727 गोआश्रय स्थलों की स्थापना तथा 16,35,251 लाख गोवंश संरक्षित

मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के जरिए 2,46,426 गोवंश इच्छुक कृषक/पशुपालक परिवारों को किए गए सुपुर्द

प्रदेश में पहली बार डी.बी.टी. के माध्यम से प्रति गोवंश भरण-पोषण हेतु ₹50 प्रतिदिन की दर से गौ-आश्रय स्थलों को धनराशि का हस्तानांतरण

नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत दुग्ध उत्पादन तथा डेयरी की स्थापना के लिए लगभग 50 प्रतिशत का दिया जा रहा है अनुदान

दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण हेतु 220 समितियों का गठन एवं 450 समितियों का पुनर्गठन

ई-कॉमर्स पोर्टल से 1,27,018 उपमोक्ताओं, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं प्रराग मित्रों को जोड़ा गया

प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3.प्र. दुग्धशाला विकास एवं उत्पाद प्रोत्साहन नीति का प्रख्यापन

मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देने हेतु प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना लागू

निषादराज बोट सब्सिडी योजनानांतर्गत नाव क्रय करने के लिए अनुदान की व्यवस्था

किसान क्रेडिट कार्ड योजना (पशुपालन घटक) के अन्तर्गत मार्च 2025 तक 06 लाख 68 हजार से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड वितरित

औद्योगिक फसलों तथा उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित किये जाने हेतु 3.प्र. राज्य औद्योगिक निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की स्थापना की गई है

कौशाम्बी में 'सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर फ्रूट्स' व चंदौली में 'सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर वेजीटेबल्स' की स्थापना की कार्यवाही जारी

सहारनपुर में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर फ्रूट्स, वेजीटेबल्स, लखनऊ में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर ऑर्नामेंटल प्लांट्स का निर्माण

हापुड़ और कुशीनगर में आलू के लिए 02 सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स निर्माणाधीन

चेतावनी देती गड़बड़ी

इंटरनेट अवसंरचना प्रदान करने वाली दिग्गज कंपनी क्लाउडप्लेयर में आई हालिया तकनीकी गड़बड़ी को केवल एक सामान्य तकनीकी व्यवधान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह कंटेट डिलीवरी नेटवर्क दुनिया की 20 प्रतिशत वेबसाइट से सामग्री लेती और यूजर को देती है। वेबसाइट और यूजर के बीच ऐसे मध्यस्थ का काम करने वाले ऐसे प्लेटफॉर्म में, जिस पर दुनिया की हर पांचवीं वेबसाइट अंश्रुत हो, इसी साल तीसरी बार बड़ी खराबी का होना, उसे घटें बने रहना बताता है कि दुनिया का डिजिटल ढांचा कितनी नाजुक रोद पर टिका हुआ है। क्लाउडप्लेयर की लगातार गड़बड़ी के दो प्रमुख कारण हाँ सकते हैं। पहला, अत्यधिक नियंत्रित, कंपनी की संवेदन वैश्विक रूप पर जारी सर्वरों, डेटा-सेटों और नेटवर्क पॉइंट्स में फैली है, जिनका समन्वय किसी भी समय अत्यधिक संवेदनशील विश्वित में रहता है। दूसरा, तजी से बढ़ते लोड और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के चलते बैकएंड इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार बदलाव के चलते यह वैश्विक बाधा आई है।

विडंबना ही कहेंगे कि दुनिया को तेज और सुरक्षित इंटरनेट देने का दावा करने वाली कंपनी को उसी की तकनीकी असुरक्षा या चूक, इंटरनेट की गति और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर देती है। इस व्यवधान का असर दुनिया भर में महसूस किया गया। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। कई डिजिटल खुशान सेवाएँ, समाचार वेबसाइटें, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, शिक्षा पोर्टल और ऐप कुछ समय के लिए बदल हो गए। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में ऐसे झटके के केवल असुरक्षा नहीं, बल्कि अत्यधिक व्यवधान भी पैदा करते हैं। यदि इस तरह की गड़बड़ीयां बार-बार और लंबे समय के लिए होती रहती हैं, तो न सिफ डिजिटल भुगतान और वैकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होगी, बल्कि साथ ही क्लाउड-आधारित स्टर्टअप और आईटी सेवाएँ असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

इस प्रकार की तकनीकी खराबी सिर्फ एआई प्लेटफॉर्म को ही प्रभावित नहीं करती, इंटरनेट की यह 'रीढ़' लड़खड़ाती है, तो डिजिटल भारत का पूरा ढांचा हिल जाता है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा, एयरलाइन रिजेवेशन सिस्टम, अनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन प्लेटफॉर्म और सरकारी ई-सेवाएँ भी ऐसे ही नेटवर्क संचान पर निर्भर हैं। यूजर्स के पास इससे बचने के विकल्प अत्यंत सीमित हैं। सामान्य उपयोगकर्ता के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क सिस्टम पर फिर बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं, पर वैकिंग समाधान केवल कंपनियों के स्तर पर ही संभव है। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए मल्टी-कंटेट डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम या फिर बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। साथ ही, इसके लिए नेटवर्क आकिंटेक्नर की रेडेंसी बड़ी होगी, असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

इस प्रकार की तकनीकी खराबी सिर्फ एआई प्लेटफॉर्म को ही प्रभावित नहीं करती, इंटरनेट की यह 'रीढ़' लड़खड़ाती है, तो डिजिटल भारत का पूरा ढांचा हिल जाता है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा, एयरलाइन रिजेवेशन सिस्टम, अनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन प्लेटफॉर्म और सरकारी ई-सेवाएँ भी ऐसे ही नेटवर्क संचान पर निर्भर हैं। यूजर्स के पास इससे बचने के विकल्प अत्यंत सीमित हैं। सामान्य उपयोगकर्ता के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क सिस्टम पर फिर बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं, पर वैकिंग समाधान केवल कंपनियों के स्तर पर ही संभव है। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए मल्टी-कंटेट डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम पर फिर बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। साथ ही, इसके लिए नेटवर्क आकिंटेक्नर की रेडेंसी बड़ी होगी, असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

प्रसंगवाद

तहजीब के शहर को यूनेस्को की मान्यता

हाल में विश्व नगर दिवस के अवसर पर यूनेस्को ने अपने रचनात्मक शहरों की सूची में 58 नए शहरों को शामिल किया है। इस सूची में लखनऊ का होना भारत के लिए एग्रीव का विषय है। उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिलाना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाचारी विविधता की प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास पंथराओं का प्रतीक है। यूनेस्को के लिए वैकिंग भुगतान और बोपान अस्थायी राह दे सकते हैं। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्लाईट ऑफ फैलियर' से बचने के लिए वैकिंग डिलीवरी नेटवर्क को रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडप्लेयर के साथ साथ अन्य नेटवर्क सिस्टम और आईटी सेवाओं का संकट भी उत्पन्न होगा।

उत्तर प्रदेश की राष्ट्रधारी लखनऊ को 'पाक-कला के स्तरजनीशील शहर' का दर्जा मिल

